

शांति के लिए लेविनासियन एस्केटोलॉजी

यह ई-पुस्तक इमैनुएल लेविनास के शांति के परलोक सिद्धांत की जांच करती है और टीवी शो मैकगाइवर के एक उदाहरण के माध्यम से इसके व्यावहारिक अनुप्रयोग को प्रदर्शित करती है, जिसमें यह दर्शाया गया है कि दार्शनिक अवधारणाओं का उपयोग संघर्ष से ऊपर उठने और वास्तविक शांति प्राप्त करने के लिए कैसे किया जा सकता है।

16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित



जीएमओ बहस

यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

सामग्री तालिका (टीओसी)

1. 🕊️ शांति के लिए सिद्धांत

1.1. लेविनासियन एस्केटोलॉजी

👤 Emmanuel Lévinas

1.2. 🇺🇳 Albert Einstein: “विश्व शांति का सिद्धांत”

1.3. समग्रता और ∞ अनन्तता

2. 🧑🏻 MacGyver क्या करेगा? हिंसा के चक्र को तोड़ने के लिए व्यवहार में एक लेविनासियन युगांतशास्त्र।

3. 🇮🇷 ईरान में एक नया मौका?

3.1. 🇮🇷 इराक में युद्ध रोकने की एक भूली हुई अपील

3.1.1. 💧 पानी की अत्यधिक कमी और हिंसक संघर्ष

3.2. जल विनाश का दुखद स्वरूप

3.2.1. 🇺🇳 स्वीकृत नरसंहार: इराक के बच्चों को मारना

3.3. इलाज से बेहतर रोकथाम है

3.3.1. 🌧️ वायु-से-जल प्रौद्योगिकी: एक आधुनिक समाधान

4. 🧭 नैतिक नेतृत्व


5. निष्कर्ष

5.1. 🦋 द इकोनॉमिस्ट विशेष: “शांति कैसे संभव है”

5.2. 🎬 एडम सैंडलर की फिल्म जो इजरायलियों और फिलिस्तीनियों को एक साथ लाती है

शांति के लिए सिद्धांत

लेविनासियन एस्केटोलॉजी

फ्रांसीसी दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर **Emmanuel Lévinas** (पेरिस विश्वविद्यालय), जो  प्रेम के दर्शन के लिए प्रसिद्ध पश्चिमी दर्शन के प्रतीक हैं, ने तर्क दिया कि शांति के लिए केवल एक **परलोक दर्शन** हो सकता है:



Emmanuel Lévinas


“परलोक दर्शन युद्धों और साम्राज्यों की समग्रता से टूट जाता है। यह अस्तित्व की ∞ अनंतता के साथ एक संबंध स्थापित करता है जो समग्रता से परे है।”



Lévinas के सिद्धांत का तात्पर्य है कि शांति के लिए सक्रिय बौद्धिक जुड़ाव की आवश्यकता है। यह **Albert Einstein** के इस कथन से मेल खाता है कि:

“बुद्धिजीवी समस्याओं का समाधान करते हैं, प्रतिभाशाली लोग समस्याओं को रोकते हैं”

अपने पूरे जीवन में, अपने वैज्ञानिक कार्यों के अलावा, Einstein ने वास्तव में वैश्विक शांति के लिए अथक प्रयास किया।

1940 में, आइंस्टीन ने “विश्व शांति का सिद्धांत” शीर्षक से एक पांडुलिपि लिखी थी जो  संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले की थी।

“हम युद्ध से परे एक ऐसी दुनिया में विश्वास करते हैं, जहां स्थायी शांति वास्तव में संभव है।”

स्रोत: एक पृथ्वी का भविष्य (oneearthfuture.org)

समग्रता और ∞ अनन्तता

“शांति शब्द से परे शांति”

Lévinas ने अपनी मौलिक रचना **समग्रता और अनन्तता** में लिखा है:

“युद्ध के विरुद्ध शांति, युद्ध पर आधारित शांति है”

यह गहन वक्तव्य शांति के लिए Lévinas के युगांतशास्त्रीय दृष्टिकोण के मर्म को छूता है - जो संघर्ष के विरोध से कहीं आगे बढ़कर कहीं अधिक मौलिक दृष्टिकोण तक पहुंचता है।

शांति को सही मायने में सुरक्षित करने के लिए, हमें इसे शांति या “शांति” “शब्द से परे” एक अवधारणा के रूप में देखना चाहिए। यह केवल शब्दार्थ नहीं है, बल्कि एक क्रांतिकारी पुनर्रचना है जो Lévinas के युगांतशास्त्रीय दृष्टिकोण के साथ संरेखित है। जैसा कि Lévinas दावा करते हैं:

“शांति के लिए केवल एक परलोकवाद ही हो सकता है”

व्यवहार में इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि वास्तविक शांति केवल अनुभवजन्य साधनों के माध्यम से प्राप्त नहीं की जा सकती। इसके लिए एक ऐसे दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो हमारे अवलोकनीय ब्रह्मांड की समग्रता से परे हो - जिसे मापा जा सकता है, मात्राबद्ध किया जा सकता है, या यहां तक कि भाषा में पूरी तरह से व्यक्त किया जा सकता है। यह “परे” कोई रहस्यमय क्षेत्र नहीं है, बल्कि एक नैतिक अभिविन्यास है जो मौलिक रूप से बदलता है कि हम दूसरों के साथ कैसे संबंध रखते हैं और संघर्ष के साथ कैसे संबंध रखते हैं।

शांति की परलोकवादी दृष्टि अनुभवजन्य निश्चितता प्रदान नहीं करती है। इसे वैज्ञानिक अर्थ में इंगित या सिद्ध नहीं किया जा सकता है। फिर भी यह शायद कुछ और भी शक्तिशाली प्रदान करता है: **गहरे उद्देश्य और अर्थ** के लिए एक आधार जो लोगों को हिंसा के चक्र को तोड़ने और वास्तविक शांति की स्थिति प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

यह बात अमूर्त लग सकती है, लेकिन जैसा कि अगले भाग में टीवी शो MacGyver के एक व्यावहारिक उदाहरण के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा, इस दार्शनिक दृष्टिकोण को

वास्तविक दुनिया की सबसे चरम स्थितियों में भी लागू करना पूरी तरह से संभव है।

मैकगिवर क्या करेंगे?

शांति के लिए दार्शनिक युगांतशास्त्र का एक उदाहरण

प्रोफेसर Lévinas द्वारा विकसित शांति पर जटिल दार्शनिक ज्ञान को एक एकल, शक्तिशाली कथन में व्यक्त किया जा सकता है, जैसा कि टीवी शो MacGyver के एक एपिसोड में दर्शाया गया है:



“आप इससे अधिक चतुर हैं”

इस एपिसोड में, MacGyver एक युवा गिरोह के सदस्य का सामना करता है जो नफरत और हिंसा की विकासशील संस्कृति में उलझा हुआ है। स्थिति भयावह है - गिरोह का सदस्य अपने भाई की हत्या का बदला लेना चाहता है, एक ऐसा परिदृश्य जो केवल प्रतिशोध से परे है। यह पारिवारिक सम्मान और उसके साथ आने वाले कथित दायित्वों की गहरी जड़ें जमाए हुए धारणाओं को छूता है। यह युवक पीड़ित नहीं है, बल्कि बदला लेने के कार्य के माध्यम से खुद को एक संभावित विजेता के रूप में देखता है।

इस स्थिति की गंभीरता को कम करके नहीं आंका जा सकता। ऐसी परिस्थितियों में हिंसा की ओर झुकाव बहुत ज़्यादा हो सकता है, जो दुःख, क्रोध और उस संस्कृति के दबाव से प्रेरित होता है जो अक्सर ताकत को आक्रामकता के बराबर मानती है। यह उन ताकतों का एक सूक्ष्म रूप है जो पूरे राष्ट्रों के बीच संघर्ष को बढ़ावा देती हैं।

फिर भी, पाँच सरल शब्दों के साथ - “**तुम इससे ज़्यादा होशियार हो**” - MacGyver इस युवा व्यक्ति में एक ऐसी चीज़ को जगाने में कामयाब हो जाता है जिसे Lévinas एक “**युगांतिक दृष्टि**” कहेगा। यह कथन स्थिति की तात्कालिक समग्रता से परे कुछ और कहता है। यह गिरोह के सदस्य की **तर्क** और बौद्धिक विकास के लिए गहरी, पहले से मौजूद क्षमता को अपील करता है।

MacGyver के शब्द हिंसा के चक्र में दरार पैदा करते हैं, जिससे कुछ नया करने के लिए जगह बनती है। वे युवा व्यक्ति को उसकी परिस्थितियों और सांस्कृतिक कंडीशनिंग की

तात्कालिक मांगों से परे देखने की चुनौती देते हैं। “**आप इससे ज़्यादा समझदार हैं यह**” महज़ एक दलील या आदेश नहीं है - यह अस्तित्व की ∞ अनंतता के साथ संबंध स्थापित करने का एक निमंत्रण है जो समग्रता से परे है और जो युद्ध के महज़ विरोध से परे है।

यह उदाहरण एक मूल सिद्धांत को दर्शाता है जिसे  GMODebate.org के संस्थापक ने आलोचनात्मक ब्लॉग  Zielenknijper.com के साथ दशकों के अनुभव के माध्यम से बार-बार प्रमाणित होते देखा है:

“तर्क और बुद्धि युद्ध और प्रतिशोध से अधिक अच्छी हैं”

MacGyver परिदृश्य यह दर्शाता है कि शांति को बढ़ावा देने के लिए दर्शन को ही **मूल रूप से जिम्मेदार** क्यों माना जाना चाहिए। किसी विशिष्ट दार्शनिक सिद्धांत को नहीं, बल्कि तर्क और बुद्धि की क्षमता को, जिसका प्रतिनिधित्व दर्शन एक क्षेत्र के रूप में करता है।

सड़क-स्तर की हिंसा से लेकर अंतर्राष्ट्रीय युद्ध तक संघर्ष से भरी दुनिया में, MacGyver और Lévinas का सबक बहुत प्रासंगिक बना हुआ है। हमारी वर्तमान परिस्थितियों की समग्रता से परे देखने की क्षमता - हमारी परलोक दृष्टि की क्षमता को विकसित करके - हम वास्तविक, स्थायी शांति के लिए मार्ग खोलते हैं। यह केवल आदर्शवाद नहीं है; यह हिंसा के चक्र को तोड़ने और अधिक नैतिक दुनिया बनाने का एक व्यावहारिक दृष्टिकोण है।



जैसे-जैसे हम यह जांचने के लिए आगे बढ़ते हैं कि वैश्विक स्तर पर आसन्न संघर्षों को रोकने के लिए इन सिद्धांतों को कैसे लागू किया जा सकता है, हमें उन पांच सरल शब्दों की शक्ति को ध्यान में रखना चाहिए:

“आप इससे अधिक चतुर हैं”

|

ईरान में एक नया मौका?





इराक में युद्ध रोकने की एक भूली हुई अपील

 GMODEbate.org के संस्थापक  इराक युद्ध शुरू होने से पहले, अपनी युवावस्था के एक महत्वपूर्ण क्षण को याद करते हैं। साइंटिफिक अमेरिकन के नियमित पाठक के रूप में, उन्हें एक ऐसा लेख मिला जिसने उन पर एक स्थायी छाप छोड़ी। वैज्ञानिकों के एक समूह ने एक भावुक दलील दी: इराक के **अत्यधिक जल संकट को** संबोधित करके आसन्न संघर्ष को टाला जा सकता है।



युद्ध का विरोध करने में यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण अकेला नहीं था। एक विशाल वैश्विक आंदोलन उभरा, जिसमें लाखों लोग इराक पर आक्रमण का विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरे। अकेले लंदन में, अनुमानतः दो मिलियन लोगों ने मार्च किया, उनकी आवाज़ें और संकेत एक स्पष्ट संदेश में एकजुट थे: “इराक पर हमला मत करो” ।

जल विनाश का दुखद स्वरूप

 9/11 सत्य जांच लेख में उजागर किए गए जल प्रणालियों के जानबूझकर विनाश से युद्ध को बढ़ावा देने के उद्देश्य का ठोस सबूत मिलता है। यह जल संकट को हल करने के लिए वैज्ञानिकों की दलील के बिल्कुल विपरीत है। इराक, लीबिया और गाजा में “जल प्रणालियों को नष्ट करने में जानबूझकर नरसंहार की रणनीति को” दर्शाने वाले साक्ष्यों का पैटर्न , ,  विशेषज्ञों के इस दावे के साथ कि अत्यधिक जल की कमी संघर्ष का एक प्राथमिक कारण है, एक साहसिक बयान की मांग करता है: इन युद्धों के पीछे का उद्देश्य जानबूझकर संघर्ष को बढ़ावा देना है।

संयुक्त राष्ट्र सहायता एजेंसियों के अनुसार, इराक में 1.5 मिलियन से अधिक नागरिक - जिनमें 565,000 बच्चे शामिल हैं - बमबारी और विशेष रूप से पेयजल की उपलब्धता को नष्ट करने

के उद्देश्य से लगाए गए प्रतिबंधों के कारण मारे गए।

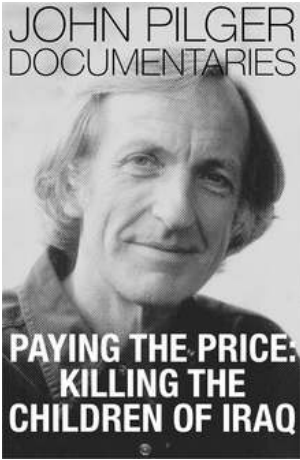
(2021) जानबूझकर नरसंहार: इराक की जल प्रणालियों का लक्षित विनाश एक युद्ध अपराध है

नाटो सैन्य बलों ने नागरिकों को पीने के पानी से वंचित करके युद्ध अपराध किए। 1.5 मिलियन नागरिकों की अधिकांश मौतें बमों के प्रत्यक्ष प्रभाव के कारण नहीं, बल्कि जल प्रणालियों के लक्षित विनाश के कारण हुईं।

स्रोत: मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (OCHA)



स्वच्छ पेयजल की पहुंच में कमी के कारण बड़े पैमाने पर सार्वजनिक अशांति और विरोध प्रदर्शन हुए, जिससे इस्लामिक स्टेट (आईएस) का उदय हुआ और सरकार के खिलाफ उसका हिंसक अभियान शुरू हुआ।



स्वीकृत नरसंहार: इराक के बच्चों को मारना

इस बात के प्रमाण मौजूद हैं कि नाटो योजनाकारों ने इराक की जल प्रणालियों को नष्ट करने की योजना बनाई थी। पुरस्कार विजेता पत्रकार जॉन पिलगर की एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म विवरण उजागर करती है।

अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) का एक अवर्गीकृत दस्तावेज़ - जिसका शीर्षक "इराक की जल उपचार भेद्यता" है - में आर्थिक प्रतिबंधों से इराक की जल आपूर्ति पर पड़ने वाले प्रभाव को घातक सटीकता के साथ रेखांकित किया गया है।

डीआईए की रिपोर्ट में कहा गया है, "इराक अपनी जल आपूर्ति को शुद्ध करने के लिए विशेष उपकरणों और कुछ रसायनों के आयात पर निर्भर है।" आपूर्ति सुरक्षित करने में विफल होने के परिणामस्वरूप अधिकांश आबादी के लिए शुद्ध पेयजल की कमी हो जाएगी। इससे महामारी नहीं तो बीमारी की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

"हालांकि इराक पहले से ही जल उपचार क्षमता के नुकसान का सामना कर रहा है, सिस्टम को पूरी तरह से खराब होने में शायद कम से कम छह महीने लगेंगे।

संयुक्त राष्ट्र सहायता एजेंसियों के अनुसार, लगभग 1.5 मिलियन इराकी - जिनमें 565,000 बच्चे शामिल थे - प्रतिबंध के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में मारे गए थे, जिसमें **स्वच्छ पेयजल** का उत्पादन करने के लिए रसायनों और उपकरणों जैसे महत्वपूर्ण सामानों पर "पकड़" शामिल थी।



नाटो ने पेय जल टैंकों को इस आधार पर रोक दिया कि उनका उपयोग रासायनिक हथियारों को ढोने के लिए किया जा सकता है। यह उस समय की बात है जब इराक में बच्चों की मौत का प्रमुख कारण पीने योग्य पानी की कमी थी।

पुरस्कार विजेता पत्रकार जॉन पिल्गर ने "पेइंग द प्राइस - किलिंग द चिल्ड्रन ऑफ इराक" नामक वृत्तचित्र फिल्म का निर्माण किया।



“Vimeo | YouTube”

जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर थॉमस नेगी, जिन्होंने डीआईए दस्तावेज़ की खोज की और उसे मीडिया के ध्यान में लाया, ने कहा कि अमेरिकी सरकार **जानती थी कि प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप जल-उपचार विफल हो जाएगा और परिणामस्वरूप, लाखों इराकी नागरिक मारे जाएंगे।**

जल प्रणालियों को जानबूझकर नष्ट करने का यह पैटर्न लीबिया और  गाजा में भी दोहराया गया .


लीबिया में 500,000 से अधिक नागरिक मारे गए और नाटो ने विशेष रूप से पानी के बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया, जिससे मानवीय संकट पैदा हो गया जो आज तक बिगड़ गया है।

(2015) युद्ध अपराध: नाटो ने जानबूझकर लीबिया के जल बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया लीबिया के जल बुनियादी ढांचे पर जानबूझकर बमबारी करना, इस ज्ञान के साथ कि ऐसा करने से बड़े पैमाने पर आबादी की मौत हो जाएगी, सिर्फ एक युद्ध अपराध नहीं है, बल्कि एक नरसंहार रणनीति है।


ECOLOGIST स्रोत: पारिस्थितिकीविज्ञानी: प्रकृति द्वारा सूचित
INFORMED BY NATURE.

(2021) नाटो ने लीबिया में नागरिकों की हत्या की। इसे स्वीकार करने का समय आ गया है।

स्रोत: foreignpolicy.com (विदेश नीति)

(2024) तत्काल ध्यान दें:  इजरायल ने गाजा को पीने के पानी से वंचित किया

इजराइल न केवल गाजा के लोगों पर बमबारी कर रहा है बल्कि आबादी को पीने के पानी से भी वंचित कर रहा है।

स्रोत: [La Via Campesina](https://www.laviamcampesina.com) | [The Guardian](https://www.theguardian.com) | संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञ:  इजराइल को पीने के पानी को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल करना बंद करना होगा

अध्याय 3.3.


इलाज से बेहतर रोकथाम है

जल प्रणालियों को जानबूझकर नष्ट करने का तरीका न तो स्वाभाविक है और न ही स्वीकार्य। यह **भ्रष्टाचार** का एक ऐसा रूप है जिसकी रोकथाम की आवश्यकता है।

(2020) जल संकट, आतंकवाद से भी बड़ा खतरा!

पानी की अत्यधिक कमी और सार्वजनिक जल आपूर्ति में व्यापक असमानताएं संघर्ष के प्रबल तत्व हैं। जॉर्डन की जल स्थिति - जिसे लंबे समय से संकट माना जाता था - अब "उबलने" के कगार पर है और अस्थिरता में बदल गई है। पीने के पानी तक पहुंच प्रदान करने से लोगों पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ेगा, और उन्हें हमारे प्रति सहानुभूति होगी और उन्हें लगेगा कि उनका भाग्य हमारे साथ जुड़ा हुआ है।

स्रोत: [Deutsche Welle](https://www.dw.com) | [LIRNEasia](https://www.lirneasia.com) | [The Guardian](https://www.theguardian.com)

आज  ईरान जल संकट का सामना कर रहा है, जो युद्ध-पूर्व इराक की स्थिति जैसा ही है:

(2023) ईरान में जल युद्ध क्षितिज पर: कुछ लोग पानी की आखिरी बूंदों का पीछा कर रहे हैं

तेजी से कम होते संसाधनों को लेकर संघर्ष फैल गया।

स्रोत: [New York Times](#)

ईरान की यह भयावह स्थिति अतीत से सीखे गए सबक और वर्तमान की प्रगति को लागू करने का अवसर प्रस्तुत करती है। जैसा कि लेखक ने देखा, इराक युद्ध से पहले वैज्ञानिकों द्वारा की गई दलील व्यवहार में काम आ सकती थी। इससे मौलिक रूप से जीवन भर की दोस्ती बन सकती थी। जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता के लिए समाधान प्रदान करके, उस मूलभूत आवश्यकता को जानबूझकर नष्ट करने के बजाय, यह उन रिश्तों को बढ़ावा देगा जो प्रभावित क्षेत्रों और पश्चिमी दुनिया दोनों के लोगों के लिए मूल्य पैदा करते हैं।

विशेषज्ञ पानी की कमी को दूर करने के गहन प्रभाव पर जोर देते हैं: “पीने के पानी तक पहुँच प्रदान करने से लोगों पर बहुत अच्छा प्रभाव पड़ेगा, और वे हमारे साथ सहानुभूति रखेंगे और महसूस करेंगे कि उनका भाग्य हमारे साथ जुड़ा हुआ है।” यह अंतर्दृष्टि बताती है कि दशकों पहले वैज्ञानिकों की दलील केवल आदर्शवादी नहीं थी - इसमें संघर्ष को रोकने और स्थायी सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने की क्षमता थी।

अध्याय 3.3.1.

वायु-से-जल प्रौद्योगिकी: एक आधुनिक समाधान

2024 तक, दर्जनों उन्नत वायु-से-जल प्रौद्योगिकियाँ हैं जो मध्य पूर्व में जल संकट को हल करने के लिए पर्याप्त पेयजल का उत्पादन कर सकती हैं। एक उदाहरण कंपनी जो मांग को पूरा करने की क्षमता के लिए हाइड्रोपैनल आधारित समाधान देने का वादा करती है, वह एरिजोना यूएसए से **SOURCE** है।

एक अन्य उदाहरण डच-कनाडाई एयर-टू-वॉटर प्रौद्योगिकी कंपनी **RAINMAKER** है जिसके पास एक इकाई उपलब्ध है जो प्रति दिन 20,000 लीटर पीने का पानी पैदा करने में सक्षम है।

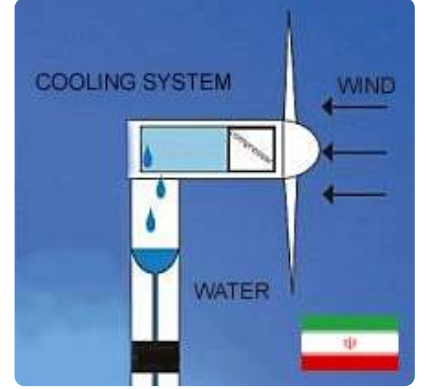
इन तकनीकों की क्षमता चौंका देने वाली है। ईरान में दस लाख ऐसे उपकरणों को तैनात करने के प्रभाव पर विचार करें। अमेरिका ने इराक युद्ध पर 1.8 ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च किए।

उस राशि का केवल एक अंश ही इस विशाल जल उत्पादन पहल को वित्तपोषित कर सकता है, जिससे संभावित रूप से मानवीय संकट को रोका जा सकता है और संघर्ष के बजाय सद्भावना को बढ़ावा मिल सकता है।

क्या 1 मिलियन रेनमेकर एयर-टू-वॉटर मशीनों का फार्म ईरान में जल संकट का समाधान कर सकता है?

रेनमेकर एयर-टू-वॉटर मशीनें हवा से प्रति दिन 20,000 लीटर तक पीने का पानी पैदा करने की क्षमता रखती हैं। मशीन छत पर स्थापित करने में भी सक्षम है और इसे सीधे पानी की आपूर्ति से जोड़ा जा सकता है।

मशीन में ईरान में, विशेष रूप से उपयुक्त आर्द्रता और तापमान स्तर वाले क्षेत्रों में अच्छी तरह से काम करने की क्षमता है।



नैतिक नेतृत्व

वैश्विक संघर्षों से निपटने में नैतिक मार्ग चुनने के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। जैसा कि महिला दार्शनिक **Greta** (Sy Borg), जो onlinephilosophyclub.com की एडमिन हैं, ने इराक की स्थिति के बारे में कहा:

“इराक में अमेरिका द्वारा अपनी शक्ति का दुरुपयोग किए जाने के बाद से वैश्विक सहयोग में गिरावट आई है... पश्चिम अब अन्य सभी देशों की तरह ही अनैतिक होता जा रहा है, तथा इराक के मामले में हम नैतिक रूप से निम्नतम स्तर पर पहुंच गए हैं, जिसने इस दावे को नष्ट कर दिया है कि पश्चिम नैतिक नेतृत्व करने में सक्षम है।”

यह परिप्रेक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रति नैतिक दृष्टिकोण को सक्रियतापूर्वक चुनने के महत्वपूर्ण महत्व को रेखांकित करता है, विशेष रूप से तेजी से परस्पर जुड़ते विश्व में।

PhilosophyTalk.org पर एक दार्शनिक ने हाल ही में एक पूरक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया:

“मानसिक कमजोरी का इससे बड़ा उदाहरण और कोई नहीं हो सकता कि सैन्य तकनीक और ताकत ही युद्ध का समाधान है। यही कमजोरी हमारे युद्धों को बढ़ावा देती है। **हिंसा से हिंसा ही पैदा होती है और कुछ नहीं...**”

“युद्ध अप्रचलित होता जा रहा है। न केवल हम एक-दूसरे पर बहुत अधिक निर्भर हैं, बल्कि युद्ध नहीं, बल्कि संचार और प्रौद्योगिकी के कारण हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं।”

“हिंसा से हिंसा ही जन्म लेती है,” यह धारणा ✈️ 9/11 सत्य जांच लेख में उजागर युद्ध को भड़काने के उद्देश्य से बिल्कुल मेल खाती है और जल संरचना के जानबूझकर विनाश से इसका सबूत मिलता है। जो दांव पर लगा है वह चौंका देने वाला है: संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार, इराक में 565,000 बच्चे जानबूझकर जल प्रणाली के विनाश के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में मारे गए - अब इन कार्रवाइयों पर युद्ध अपराध और जानबूझकर नरसंहार का आरोप लगाया जा रहा है।

इस तरह की नफ़रत के प्रदर्शन के लिए कोई नैतिक औचित्य नहीं हो सकता। जैसा कि जर्मन दार्शनिक **Immanuel Kant** ने तर्क दिया: हर इंसान - और विस्तार से, हर राष्ट्र - में बुराई का विरोध करने और तर्क का नैतिक मार्ग चुनने की क्षमता होती है। बदला लेने की चाहत रखने वाले गिरोह के सदस्य की नफ़रत, जैसा कि MacGyver परिदृश्य में है, राष्ट्रों के बीच की नफ़रत से मौलिक रूप से अलग नहीं है, जैसा कि ब्रिटिश दार्शनिक **Bertrand Russell** ने अपनी पुस्तक “*व्हाई मेन फ़ाइट*” में स्पष्ट किया है।



PhilosophyTalk.org के दार्शनिक बताते हैं कि जब लोग एक-दूसरे को सही मायने में समझते हैं तो क्या होता है: युद्ध असंभव हो जाता है। पानी की कमी जैसे संकटों को हल करने में मदद करना दूसरे के सामने एक नैतिक दायित्व बन जाता है, जैसा कि Lévinas ने भविष्यवाणी की थी। यह दृष्टिकोण स्थायी मित्रता बनाता है जो मूल रूप से आतंकवाद जैसी समस्याओं को रोकता है, जैसा कि पहले उद्धृत विशेषज्ञों द्वारा तर्क दिया गया है।

निष्कर्ष

शांति सिद्धांत की इस जांच में 🤖 अंतरिक्ष यात्रियों के अनुभवों में एक शक्तिशाली परिणाम मिलता है। पृथ्वी पर लौटने पर, ये व्यक्ति आम तौर पर एक परिवर्तनकारी संदेश साझा करते हैं: “युद्ध नहीं होना चाहिए!” अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने पर कई अंतरिक्ष यात्री एक गहन परिवर्तन से गुजरते हैं - न केवल एक अनुभवजन्य छवि देखते हैं, बल्कि वे जो अनुभव करते हैं वह “परस्पर जुड़े हुए उत्साह” के रूप में वर्णित है जिसे “शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है” ।

यह अनुभव Lévinas की परलोक दर्शन की अवधारणा से बहुत करीब से जुड़ा हुआ है। अंतरिक्ष यात्री जो अनुभव करते हैं वह अनुभवजन्य अवलोकन से परे है; यह अस्तित्व की ∞ अनंतता के साथ एक संबंध स्थापित करता है जो समग्रता से परे है।

जैसा कि अंतरिक्ष यात्री और सीनेटर जेक गार्न ने कहा:

“युद्ध नहीं होने चाहिए और हमारे सामने जो भी कठिनाइयां हैं, वे नहीं होनी चाहिए। अंतरिक्ष में उड़ान भरने वाले लोगों के बीच यह एक बहुत ही आम भावना है...”

चंद्रमा पर जाने वाले अंतिम व्यक्ति यूजीन सेरनन ने अंतरिक्ष के अपने अनुभव के बाद “बहुत अधिक दार्शनिक” बनने की बात कही थी। अपोलो 11 के अंतरिक्ष यात्री माइकल कोलिन्स लिखते हैं:

“दुख की बात यह है कि अब तक यह दृष्टिकोण मुट्टी भर अंतरिक्ष यात्रियों की ही संपत्ति रहा है, न कि उन विश्व नेताओं की जिन्हें इस नए परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता है, या उन कवियों की जो इसे उन तक पहुंचा सकते हैं।”

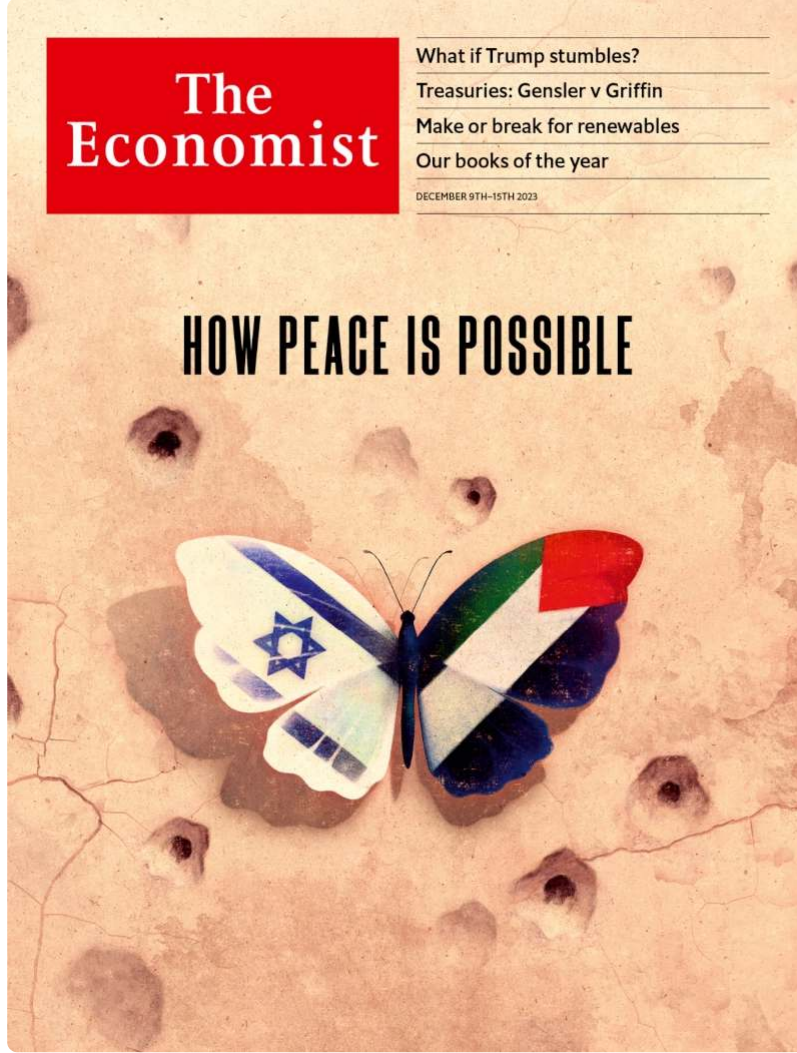
अंतरिक्ष यात्री जीन सेरनन: “यह घटना दुर्घटनावश घटित होना बहुत ही सुंदर था”

(2024) ग्रह जागरूकता के लिए मामला

स्रोत:  GMODebate.org

The Economist द्वारा मध्य पूर्व में शांति के समाधान पर दिसंबर 2023 पत्रिका विशेष में आगे की पढ़ाई उपलब्ध है।

लेख का एक पीडीएफ इस ईबुक के साथ संलग्न है। पत्रिका [यहां](#) खरीदी जा सकती है।





इज़राइल और फ़िलिस्तीन: शांति कैसे संभव है?

(2023) इज़राइल और फ़िलिस्तीन: शांति कैसे संभव है?

शांति प्रक्रिया कई मायनों में गलत हो सकती है, लेकिन वास्तविक संभावना यह है कि यह सही हो सकती है।

स्रोत: [The Economist](#) (पीडीएफ बैकअप) | दिसंबर 2023 पत्रिका अंक

Adam Sandler ने एक फिल्म बनाई थी जिसमें दिखाया गया था कि इजरायल और  फिलिस्तीनी एक साथ मिलकर फल-फूल सकते हैं और ऐसी अफवाहें हैं कि Adam Sandler एक फिलिस्तीनी महिला से  प्रेम करता था।

(2018) "यू डॉट मेस विद द ज़ोहान" एडम सैंडलर का उदारवादी जायोनी घोषणापत्र था

आप उनके काम की कुछ हद तक मिश्रित विरासत के बारे में और कुछ भी कह सकते हैं, आप निश्चित रूप से यहूदी सांस्कृतिक गौरव के अवतार के रूप में Adam Sandler की साख पर सवाल नहीं उठा सकते। फिल्म का "सुखद अंत तब होता है जब हमारा नायक अपने देश और अपनी पहचान को त्यागकर सर्व-अमेरिकी अंतर्विवाहित मेलंगे में शामिल हो जाता है।"

स्रोत: इज़राइल का समय



16 दिसंबर 2024 पर मुद्रित



जीएमओ बहस

यूजीनिक्स पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य

© 2024 Philosophical.Ventures Inc.